अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 122

प्रयागराज शुक्रवार 17 जनवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

इसरो की सफलता अंतरिक्ष की दिशा में लंबी छलांग: सीएम

● योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाली इसरो टीम को बधाई ।

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को स्पेस डॉकिंग हासिल करने पर बधाई देते हुये कहा कि अंतरिक्ष की दिशा में लंबी छलांग हर भारतीय को गौरवान्वित करने का क्षण है। श्री योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया " स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाली इसरो टीम को बधाई । इस उपलब्धि के साथ टीम इसरो स्पेस डॉकिंग हासिल करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। यह हमारी अंतरिक्ष क्षमताओं की दिशा में लंबी छलांग है। स्पेस डॉकिंग प्रक्रिया को काफी सतर्कता के साथ लॉन्च किया गया। " उन्होने लिखा " यह उपलब्धि भारत के लिए मील का पत्थर है। यह इसरो के प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों के समर्पण और त्याग से संभव हो पाया है। यह उनकी विशेषज्ञता को भी प्रदर्शित करता है। यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। जय हिंद।" मुख्यमंत्री ने कहा " प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले दशक में स्पेस टेक्नोलॉजी में अद्वितीय उपलब्धियां देखी हैं। भारत ग्रहों के बीच रिसर्च से लेकर रिकार्ड तोड़ने वाले उपग्रहों को लॉन्च करने और आज की ऐतिहासिक स्पेस डॉकिंग सफलता हासिल करने के साथ स्पेस रिसर्च को आकार दे रहा है।"

सिंगापुर के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति मुर्मू और पीएम से की मुलाकात, बोले...

हम कभी नहीं भूलेंगे भारत को

● सिंगापुर के राष्ट्रपति का राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत
● हमारा रिश्ता बढ़ता चला गया
● हमारे व्यापारिक संबंध फल-फूल रहेः थर्मन

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत यात्रा पर आये सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम का गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक स्वागत किया गया। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करेंगे। राष्ट्रपति भवन में स्वागत के बाद सिंगापुर के राष्ट्रपति राजघाट गए जहां उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा , " एक करीबी साथी का स्वागत। सिंगापुर के राष्ट्रपति का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।" पोस्ट में कहा गया है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ने राष्ट्रपति थर्मन का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में गर्मजोशी से स्वागत किया। राष्ट्रपति थर्मन कल से दो दिन के लिए ओडिशा के दौरे पर भी जायेंगे। भारत और सिंगापुर के बीच मैत्री, विश्वास और आपसी सम्मान की लंबी परंपरा पर आधारित व्यापक सहयोग संबंध हैं। राष्ट्रपति थर्मन की यात्रा से द्विपक्षीय संबंधों को और गति मिलने की उम्मीद है, जिसे पिछले साल सितंबर में प्रधानमंत्री मोदी की सिंगापुर यात्रा के दौरान व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाया गया था। इस यात्रा से भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की 60वीं वर्षगांठ के समारोह की शुरुआत भी होगी। हमारा रिश्ता बढ़ता चला गया इस मौके पर सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने कहा, श्हम यह कभी नहीं भूलेंगे कि भारत 1965 में सिंगापुर की स्वतंत्रता को मान्यता देने वाले पहले कुछ देशों में से एक था। तब से हमारा रिश्ता बढ़ता चला गया है। यह एक छोटे से देश सिंगापुर और एक बहुत बड़े देश भारत के बीच एक स्वाभाविक साझेदारी है। हमारे व्यापारिक संबंध फल–फूल रहेः थर्मन उन्होंने कहा, श्हमने ऐसे तरीकों से सहयोग करने के रास्ते खोजे हैं, जो दोनों देशों के आपसी हित में हैं। हमारे व्यापारिक संबंध फल–फूल रहे हैं। वास्तव में, सिंगापुर कई वर्षों से भारत में सबसे बड़ा निवेशक रहा है।

इसरो ने सफलतापूर्वक पूरा किया स्पैडेक्स मिशन

बेंगलुरु,(एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पैडेक्स) के तहत अपना पहला अंतरिक्ष डॉकिंग मिशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। भारत इस ऐतिहासिक सफलता से अमेरिका, रूस और चीन के बाद इस तकनीकी मील के पत्थर को हासिल करने वाला विश्व स्तर पर चौथा देश बन गया है। इस डॉकिंग प्रक्रिया में अंतरिक्ष यान को 15–मीटर होल्ड पॉइंट से 3–मीटर होल्ड पॉइंट तक सही तरीके से संचालित करना शामिल था। डॉकिंग प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक क्रियान्वित किया गया, जिससे अंतरिक्ष यान का सफल मिशन सुनिश्चित हुआ। इसरो ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "अंतरिक्ष यान डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई, एक ऐतिहासिक क्षण।" अंतरिक्ष विभाग के सचिव, अंतरिक्ष आयोग के अध्यक्ष इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने इतिहास रचने वाली इसरो की टीम को बधाई दी है। यह अभूतपूर्व सफलता अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में इसरो की विशेषज्ञता को रेखांकित करती है। इसरो के अधिकारियों ने टीम को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इसरो ने कहा, "पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई।" स्पैडेक्स के साथ भारत ने अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में एक नया अध्याय खोला है जिससे भविष्य के अंतरग्रहीय मिशन और अंतरिक्ष स्टेशन सहयोग का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी

● रेलवे के लिए बजट 2025 में बड़े बदलाव की तैयारी, आपके लिए क्या हो सकता है खास एलान? यहां जानें

नई दिल्ली,(एजेंसी)। नए साल में केंद्र सरकार ने लाखों केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा दिया है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का एलान कर दिया। गठन के बाद आयोग की रिपोर्ट के आधार पर कर्मचारियों की सैलरी और पेंशनधारकों के पेंशन में इजाफा होगा। लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या एक करोड़ से अधिक होगी। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी देने का फैसला लिया गया। 7वें वेतन आयोग का गठन 2016 में किया गया था और इसका कार्यकाल 2026 में समाप्त होगा। वैष्णव ने आगे कहा कि आयोग के अध्यक्ष और दो सदस्यों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी। सरकार के इस कदम का इंतजार एक करोड़ से अधिक केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को था। ये अपने मूल वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों को संशोधित करने में मदद के लिए आयोग के गठन की आस लगाए थे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा करते हुए कहा कि आयोग का गठन 2026 तक हो जाएगा। उन्होंने आगे दोहराया कि सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें पहले ही लागू की जा चुकी हैं। बजट 2025 में भारतीय रेलवे के पूंजीगत व्यय आवंटन में 15–20: का इजाफा किया जा सकता है। यह उम्मीद इसलिए की जा रही है क्योंकि इस में चालू वर्ष का आवंटन समय पर खर्च हो जाने की उम्मीद है। देश के सबसे बड़े ट्रांसपोर्टर के लिए बजट 2025–26 में कुल पूंजीगत व्यय आवंटन (कैपेक्स) का चालू वित्त वर्ष के घ्2.65 लाख करोड़ से बढ़ाकर घ्3 लाख करोड़ से अधिक किया जा सकता है। आने वाले बजट में सरकार का जोर आधुनिक रेलवे स्टेशन बनाने, नए दौर की ट्रेनें शुरू करने और ट्रैक नेटवर्क पर भार कम करने पर रह सकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वित्तीय वर्ष 2025–26 का बजट 01 फरवरी 2026 को लोकसभा में पेश करेंगी। 20: तक बढ़ाया जा सकता है रेलवे में कैपेक्स पर आवंटन रेलवे से जुड़े एक सूत्र के अनुसार आने वाले बजट में रेलवे के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) पर आवंटन 20 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है। रेलवे के अनुमानों के अनुसार पिछले बजट में इस मद में मिले 2.65 लाख करोड़ रुपये में से रेलवे ने अब तक करीब 80 फीसदी खर्च कर लिए हैं। एक वरीय अधिकारी के अनुसार रेलवे बोर्ड ने चालू वित्तीय वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं। उनके अनुसार वित्तीय वर्ष समाप्त होने से पहले कैपेक्स का लक्ष्य पूरी तरह से हासिल कर लिया जाएगा। रेल बजट में आम लोगों के खास अनुभव के लिए क्या होगा एलान?

भारत ने किया इस्राइल-हमास युद्ध विराम समझौते का स्वागत

नई दिल्ली,(एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम बंधकों की रिहाई और गाजा में युद्ध विराम के लिए समझौते की घोषणा का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति होगी। हमने लगातार सभी बंधकों की रिहाई, युद्ध विराम, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। इस्राइल–हमास के बीच हुए युद्ध विराम समझौते का भारत ने स्वागत किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने समझौते के बाद गाजा में शांति और मानवीय सहायता बढ़ने की उम्मीद जताई है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम बंधकों की रिहाई और गाजा में युद्ध विराम के लिए समझौते की घोषणा का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि इससे गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की सुरक्षित और निरंतर आपूर्ति होगी। हमने लगातार सभी बंधकों की रिहाई, युद्ध विराम, बातचीत और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया है। कैसे शुरू हुई इस्राइल–हमास के बीच जंग सात अक्तूबर 2023 को हमास ने इस्राइल के कई हिस्सों को निशाना बनाया था। इस हमले में करीब 1200 इस्राइली नागरिक मारे गए थे। जबकि ढाई सौ लोगों बंधक बना लिया गया। इसके बाद इस्राइल ने गाजा पर हमले शुरू किया। इस्राइली सेना के हमलों में अब तक 45 हजार से ज्यादा फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। गाजा के बड़े हिस्से मलबे में तब्दील हो चुके हैं। गाजा की 23 लाख की आबादी का करीब 90 फीसदी हिस्सा विस्थापित हो चुका है।

सीएम चंद्रबाबू नायडू का एलान

केवल दो से अधिक बच्चे वाले ही लड़ सकेंगे स्थानीय निकाय चुनाव

तिरुपति,(एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने जनसंख्या में गिरावट को कम करने के प्रयास में बड़ा एलान किया है। सीएम ने कहा है कि केवल दो से अधिक बच्चे वाले ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। इससे पहले भी उन्होंने दो या उससे अधिक बच्चे पैदा करने कही थी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा है कि, कोई व्यक्ति सरपंच, नगर पार्षद या महापौर तभी बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों। इस दौरान उन्होंने संकेत दिया कि इससे जनसंख्या में गिरावट को रोका जा सकेगा। सीएम ने आगे कहा कि, वे लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे। पहले भी सीएम नायडू ने की थी वकालत इससे पहले सीएम नायडू ने कहा था कि, राज्य में विकास दर बढ़नी चाहिए। सभी को इस बारे में सोचना चाहिए और परिवारों को कम से कम दो या उससे अधिक बच्चे पैदा करने का लक्ष्य रखना चाहिए। दरअसल केंद्र की यूथ इन इंडिया–2022 रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में 25 करोड़ युवा 15 से 25 साल के बीच के हैं। अगले 15 साल में यह और तेजी से गिरेगी। श्कुछ लोग अपना रहे क्छज्ञ की अवधारणाश उन्होंने हाल ही में यहां नरवरिपल्ले में कहा, श्एक समय में, अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकायों में चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकते। आप सरपंच, नगर पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बन सकते हैं जब आपके दो से अधिक बच्चे होंश।

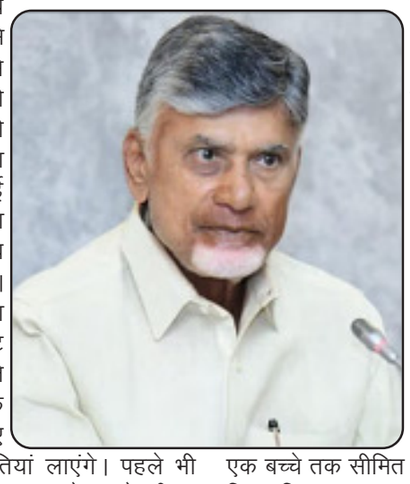

मुख्यमंत्री के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है। टीडीपी सुप्रीमो ने कहा कि पुरानी पीढ़ी के पास अधिक बच्चे थे, जबकि वर्तमान पीढ़ी ने इसे एक बच्चे तक सीमित कर दिया है और यह भी उजागर किया कि आजकल कुछ श्स्मार्टश लोग आनंद लेने के लिए डबल इनकम नो किड्स (डीआईएनके) अवधारणा को अपना रहे हैं।

श्सभी देशों ने की गलती, हमें सही समय पर लेना होगा फैसलाश सीएम नायडू ने कहा श्आपके माता–पिता ने चार से पांच बच्चे पैदा किए और आपने इसे एक तक सीमित कर दिया।

सरकार लोगों की सुरक्षा करने में विफल: केजरीवाल

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अभिनेता सैफ अली खघन पर हुए हमले की निंदा करते हुए गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जब सेलिब्रिटी की सुरक्षा नहीं कर पा रही तो वह आम लोगों की सुरक्षा क्या करेगी। श्री केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन कर कहा कि देश के प्रसिद्ध अभिनेता सैफ अली खान के ऊपर उनके घर में घुस कर कुछ अज्ञात लोगों ने चाकुओं से हमला किया। अभी पता चला है कि उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। हम उम्मीद करते हैं और भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वह जल्दी ठीक हों। यह बेहद चिंताजनक बात है कि इतना बड़ा अभिनेता जिसकी सुरक्षा हम नहीं समझते कि कोई ऐसी होगी कि कोई उसके घर की खिड़की से अंदर घुस गया होगा। इतनी ज्यादा सुरक्षित जगह में रहने वाले अभिनेता के घर के अंदर रात के वक्त घुसकर कोई व्यक्ति चाकुओं से हमला कर दे। यह वहां की राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर बड़ा प्रश्न खड़ा करती है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि दोनों ही सरकारें लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम रही हैं। मुंबई में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है। सलमान खान के घर के बाहर शूटआउट हुआ। बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। बाबा सिद्दीकी तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी भी थे। आप नेता ने कहा कि देश के इतने बड़े–बड़े सेलिब्रिटी ही सुरक्षित नहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार अगर सेलिब्रिटी को ही सुरक्षा नहीं दे सकती, तो आम आदमी को सुरक्षा क्या ही देगी। गुजरात की जेल में बैठकर एक गैंगस्टर खुलेआम फिरौती माँग रहा है और शूटआउट के ऑर्डर दे रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे जो अपराधी हैं।

सैफ अली खान पर घर में घुसकर हमला

● रीढ़ की हड्डी में फंसा था चाकू का टुकड़ा, हाथ-कंधे की भी सर्जरी हुई, एक आरोपी की पहचान

मुम्बई,(एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर बुधवार देर रात उनके ही घर में चाकू से हमला किया गया। इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। खबरों की मानें तो सैफ का ऑपरेशन हो गया है। कॉस्मैटिक सर्जरी भी हो रही है। ऑपरेशन में सैफ के घाव से तीन इंच की नुकीली चीज भी निकाली गई है। खबरों की मानें तो स्क्वायड डॉग को सैफ अली खान के अपॉर्टमेंट में जांच के लिए लाया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, एक अज्ञात शख्स सैफ के घर में घुसा। दोनों के बीच हाथापाई हुई। घटना के समय अभिनेता के कुछ पारिवार के अन्य सदस्य भी घर में मौजूद थे। कहा यह भी जा रहा है कि घर में घुसे शख्स की नौकरानी से बहस हुई। जब अभिनेता ने बीच–बचाव कर व्यक्ति को समझाने और शांत करने की कोशिश की, तो उसने सैफ अली खान पर हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद बांद्रा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। करीना की टीम ने कहा है कि घर में सब ठीक हैं। पुलिस ने बताया कि घटना आधी रात को अभिनेता के बांद्रा स्थित घर पर हुई। हमले के दौरान सैफ के हाथ, रीढ़ की हड्डी और गर्दन पर घाव आए हैं। अस्पताल में सैफ अली खान का अस्पताल में ऑपरेशन चल रहा है। उनकी पत्नी करीना कपूर खान भी उनसे मिलने सुबह 4.30 बजे अस्पताल पहुंची हैं। पुलिस के मुताबिक, बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर घर में घुसे चोरों ने चाकू से हमला कर दिया है। उन्हें मुंबई के अस्पताल में भर्ती किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। बांद्रा के डीसीपी ने कहा, ये सच है, रात 2.30 बजे सैफ अली खान के घर में अनजान शख्स घुसा। इस दौरान सैफ अली खान पर चोर ने चाकू से हमला कर दिया। डीसीपी ने बताया कि इसके बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, ये चोटें उतनी गंभीर नहीं हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें चाकू मारा गया है या वे हाथापाई में घायल हुए हैं। एएनआई के मुताबिक, यह झगड़ा अज्ञात शख्स और सैफ अली खान की मेड के बीच हो रहा था। चोरी के इरादे से घुसे इस शख्स से जब सैफ अली खान का सामना हुआ तो उसने उन्हें लहूलुहान कर दिया। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी ने बताया कि जिस समय सैफ अली खान और हमलावर की भिड़ंत हुई, उस समय चोर जहांगीर के कमरे में मौजूद था।

रिजर्वेशन के फायदे

देश के IIT में लड़कियों के लिए रिजर्वेशन की व्यवस्था वहां जिस तरह के बदलाव ला रही है, वे चौंकाने वाले हैं। त्ज्र आवेदन के जरिए निकाली गई सूचनाओं के मुताबिक पिछले छह वर्षों में हुए बदलावों से ये संस्थान अब अलग ही नजर आने लगे हैं।जैसे बंद पड़ी गाड़ी हलके से धक्के से स्टार्ट होकर रफ्तार पकड़ लेती है, कुछ उसी तरह रिजर्वेशन के इस धक्के के बाद IIT में बदलाव की प्रक्रिया रफ्तार पकड़ने लगी। ज्यादातर IIT ने 2018–19 में 14: रिजर्वेशन के साथ इस दिशा में कदम बढ़ाए थे। लेकिन 2019–20 में ही यह बढ़कर 19: और 2020–21 तक ज्यादातर संस्थानों में 20: तक पहुंच गया। 2017 के मुकाबले 2024 में IIT कानपुर में लड़कियों की संख्या 133: बढ़ी। IIT रुड़की में यह इजाफा 76.36: रहा। अन्य प्प्ेज में भी बढ़ोतरी इसके आसपास ही रही। दिल्ली और बॉम्बे प्प्ज जरूर इस मामले में अपवाद कहे जाएंगे कि वहां 20: लड़कियों की सीमा रिजर्वेशन की यह व्यवस्था लागू होने से पहले ही हासिल की जा चुकी थी।

सबसे बड़ी बात, लड़कियों की बढ़ती संख्या ने इन संस्थानों के अंदर स्टूडेंट्स और टीचर्स के व्यवहार में ही नहीं, प्रशासन के नजरिए में भी बदलाव सुनिश्चित किए। न केवल गर्ल्स हॉस्टल्स और लेडीज वॉशरूम की संख्या बढ़ी बल्कि गर्ल्स हॉस्टल्स के लोकेशन भी बदले गए। पहले गर्ल्स हॉस्टल कैंपस के किसी कोने में होते थे, लेकिन बाद के दिनों में ये एक्टिविटी सेंटर के करीब लाए गए। कैंपसों के स्पोर्ट्स कल्चर में भी बदलाव आया।खास तौर पर जेंडर सेंसिटाइजेशन बढ़ा। देखा गया कि रैगिंग या सेक्सुअल हैरासमेंट के मामले आने पर लड़कियों की ही गलती बताने की प्रवृत्ति कम हो रही है। इसमें दो राय नहीं कि समाज की तरह इन संस्थानों में भी अभी काफी कुछ किया जाना है, लेकिन बदलावों के ये उदाहरण बेहतरीन मिसाल तो पेश करते ही हैं।

ड्रेस कोड को लेकर हो आम सहमति, तभी हो बदलाव

केरल के मंदिरों में प्रवेश से जुड़े नियमों में सुधार का मसला एक बार फिर जोर पकड़ रहा है। इस बार चर्चा उस ड्रेस कोड को लेकर है जिसके मुताबिक कुछ मंदिरों में प्रवेश करते हुए पुरुष श्रद्धालुओं को बदन का ऊपरी हिस्सा निर्वस्त्र रखना पड़ता है।

विवाद शिवगिरी मठ के प्रमुख सच्चिदानंद स्वामी के उस बयान के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने इस प्रथा को जातिवाद का अवशेष बताते हुए इसे बंद करने का आह्वान किया। इसके बाद ही दोनों तरफ से धुआंधार बयानबाजी शुरू हो गई। जहां स्वामी के समर्थकों का कहना है कि इस प्रथा के पीछे गैरब्राह्मण श्रद्धालुओं को मंदिर से बाहर रखने की मंशा छिपी है, वहीं नायर सर्विस सोसाइटी (छै) जैसे संगठनों की दलील है कि मंदिर की परंपरा के साथ छेड़छाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है।

मिलता–जुलता सा एक विवाद 1982 में गुरुवायूर मंदिर परिसर में ब्राह्मण ऊट्टू (ब्रह्मभोज) के दौरान हुआ था, जब अपना ऊपरी बदन बगैर कपड़ों के रखने से इनकार कर रहे एक व्यक्ति के साथ भोजन परोस रहे लोगों ने मारपीट कर दी। उनके मुताबिक यह जानना जरूरी था कि वह व्यक्ति पांत में बैठे जनेऊधारियों की तरह ब्राह्मण है या नहीं। मंदिर की उस प्रथा को चुनौती देने वाले वह व्यक्ति थे स्वामी आनंदतीर्थन जो प्रसिद्ध समाज सुधारक श्रीनारायण गुरु के शिष्य थे और जातिगत भेदभाव के खिलाफ अपने अभियानों के लिए जाने जाते थे।

तत्कालीन मुख्यमंत्री के करुणाकरण ने उस मामले में तत्काल हस्तक्षेप किया। उसी स्थान पर एक भोज आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री समेत सभी समाज के लोग शामिल हुए। उसके बाद ब्राह्मण भोजन की वह परंपरा बंद हो गई। इस बार मौजूदा मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी सच्चिदानंद स्वामी की अपील का समर्थन किया है, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि कोई भी बदलाव सर्वसम्मति बनाकर ही किया जाना चाहिए। बात सही भी है। आम सहमति के बगैर किया गया बदलाव स्थायी नहीं होता।

थोड़ी खुशी, थोड़ा गम, सभी स्कूलों में हों सुविधाएं

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लेटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (न्क्प्ैम्) प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है।रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90: स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मसलन, फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2: स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9: स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021–22 की न्क्प्ैम् प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66: स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे।

यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज – लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि– में है।जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2: है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9: तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे व्ठब् और ैब्ध्ैज् कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री–मैट्रिक व पोस्ट–मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी च्ज्त् का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर च्ज्त् राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्च्) के तय मानक यानी 30रू1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असम, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्य काफी पीछे नजर आते हैं।कुल मिलाकर, देश में स्कूली शिक्षा को बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर दिखता है। लेकिन इस दौरान नई चुनौतियां भी उभर रही हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। यूनिवर्सल एजुकेशन के लक्ष्य को ध्यान में रखें तो ड्रॉपआउट के ट्रेंड्स और च्ज्त् पर खास ध्यान देने की जरूरत है।

इंटर्नशिप योजना: सीखने का लोकतंत्रीकरण

वी. अनंत नागेश्वरन और दीक्षा सुप्याल बिष्ट

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं। कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15–29 वर्ष की आयु के) और आधी से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं हैं। यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कोसों दूर है। इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गई पीएम इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार–आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।

पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21–24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए, आदि को छोड़कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये) द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रूपये भी दिए जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप की सुविधा प्रदान करना का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं।

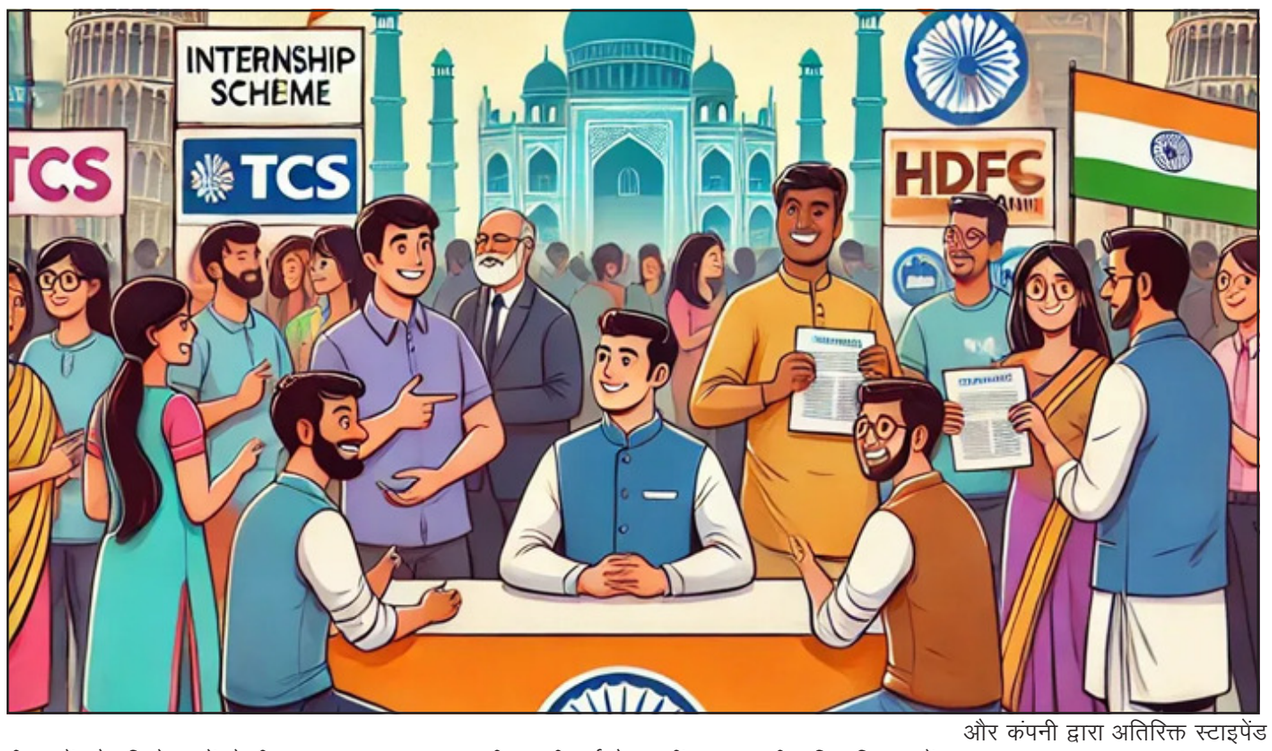

लंबे समय से इंटर्नशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोक्ताओं के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य–आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्ब्स, जॉन डेवी, कर्ट लुईस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभवात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटर्नशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए, पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप न केवल अवसर हैं बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटर्नशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जूझना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई–मेल से जुड़ा शिष्टाचार, कंप्यूटर व एमएस ऑफिस का उपयोग करना या विश्वसनीय एवं सर्वाधिक प्रासंगिक जानकारी के लिए इंटरनेट पर खोज करने जैसी बुनियादी चीजें शामिल हैं। देश के प्रमुख संस्थानों एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में जहां इंटर्नशिप प्रचलन में है, वहीं कैरियर संबंधी परामर्श एवं नौकरी–उन्मुख नेटवर्किंग की कमी के कारण राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में, यह एक असामान्य चीज बनी हुई है। इन्हीं राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों और कम प्रसिद्ध कॉलेजों में अधिकांश युवा पढ़ते हैं। इस तरह, पीएमआईएस के जरिए बड़े पैमाने पर प्रदान किए जाने वाले इंटर्नशिप गैर–मेट्रो शहरों के युवाओं के लिए समान अवसर प्रदान करती है और संभावित प्लेसमेंट के लिए दरवाजे खोलने का काम करती है। व्यक्तिगत स्तर पर, नई मिली आर्थिक आजादी आत्मविश्वास बढ़ाती है और युवा प्रतिभाओं को बेहतर करने और ऊंचे लक्ष्य रखने के लिए प्रेरित करती है। युवतियों के मामले में, आर्थिक आजादी और आत्म–मूल्य की भावना शादी की उम्र और विवाह के पूर्व की शर्तें जैसी जीवन के फैसलों में बदलाव ला सकती है।

नियोक्ता के लिए, इंटर्नशिप न केवल दीर्घकालिक रोजगार के लिए उम्मीदवार की उपयुक्तता का परीक्षण करने का कम लागत वाला बेहतरीन प्रयोग है, बल्कि कौशल संबंधी अंतर को पाटने और उसके सीएसआर संबंधी उद्देश्यों को पूरा करने का एक रणनीतिक उपकरण भी है। 12 महीनों के दौरान, कंपनी विश्वसनीय रूप से एक प्रशिक्षु के आईक्यू और ईक्यू का आकलन कर सकती है और आत्मविश्वास के साथ प्रवृत्ति के लिए एवं नियुक्ति और कौशल के लिए प्रशिक्षण की बहुप्रशंसित रणनीति को लागू कर सकती है।

व्यापक स्तर पर अर्थव्यवस्था की दृष्टि से, पीएमआईएस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है और यह युवाओं के रोजगार को बढ़ावा देने एवं वंचित पृष्ठभूमि के युवाओं के लिए रोजगार की संभावनाओं में समानता लाने का एक तात्कालिक उपाय है। शिक्षा पूरी कर चुके युवाओं के लिए एक फिनिशिंग स्कूल के रूप में कार्य करके, इंटर्नशिप अर्थव्यवस्था में श्रोजगार रहित प्रतिभाश् के भारी नुकसान को कम करने में मदद करती है। आने वाले एआई के युग में, शिक्षा से लेकर रोजगार तक की ऐसी कड़ी और भी महत्वपूर्ण साबित होगी, जहां नौकरी के लिए उपयुक्तता परिवर्तन एवं जीवन कौशल के प्रति अनुकूलनशीलता द्वारा निर्धारित की जाएगी। दीर्घकालिक अवधि में, यह मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में पूंजी और श्रम के बीच के अनुपात को भी प्रभावित कर सकती है।

जैसा कि कहा गया है, कंपनियों में बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं को वास्तविक रूप से समायोजित करने, शीर्ष 500 कंपनियों को श्रेणी–2 और श्रेणी–3 वाले शहरों से आने वाले प्रशिक्षुओं को नियुक्त करने और किसी अभ्यर्थी को उसके शहर से बाहर स्थानांतरित करने की आवश्यकता होने पर पर्याप्त मात्रा में मासिक स्टाइपेंड की उपलब्धता जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इस संबंध में दूरस्थ कार्य की व्यवस्था, गैर–मेट्रो कार्यालयों एवं कारखानों में भर्ती, और कंपनी द्वारा अतिरिक्त स्टाइपेंड संभावित समाधान हो सकते हैं।

इस प्रकार, पीएमआईएस रोजगार सृजन का एक ऐसा उत्प्रेरक है जिसके व्यापक प्रचार और सावधानीपूर्वक कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसका लक्ष्य लगातार भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश के साथ बेहतर तालमेल बिठाना है। इस योजना के शुभारंभ के बाद से कॉरपोरेट जगत द्वारा दिखाई गई अत्यधिक रुचि भारतीय युवाओं को कुशल बनाने, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने और उनकी आजीविका को बेहतर बनाने के इस योजना के लक्ष्य की सफलता की दृष्टि से एक अच्छा संकेत है।

(लेखक वी. अनंत नागेश्वरन भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं। दीक्षा सुप्याल बिष्ट भारतीय आर्थिक सेवा में एक अधिकारी हैं)।

आदमी पर घमंड जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती

शंकर शरण

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। ज् सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता।

गुलाग आर्किपेलाग की विरासत दृ 4

रूसी नागरिकों का सत्य बतलाते हुए सोल्झेनित्सिन ने अपने को देवता नहीं दिखाया है। उन्होंने नोट किया है कि अपनी गिरफ्तारी से पहले, जब कैप्टन सोल्झेनित्सिन द्वितीय विश्व युद्ध में लड़कर वापस आए, और आते ही उन को बंदी बना लिया गया (उन्होंने किसी मित्र को निजी पत्र में यह टिप्पणी की थी कि श्हमारे देश में हर बात में पार्टी की महानताव जोड़ने की क्या झक है! यही लिखना उन का अपराध था जिस के लिए उन्हें गिरफ्तार किया गया और बारह साल कैद तथा यातना शिविरों में बिताना पड़ा। बल्कि स्टालिन की मृत्यु हो जाने से काफी लोगों को छोड़ा गया था, उसी में सोल्झेनित्सिन भी छूट गये। यानी, संयोगवश ही।) लेकिन सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि गिरफ्तार होने से पहले वे भी अपने को ऊँचा समझते थे, और सेना में अपने मातहतों के प्रति उन्होंने भी जब–तब अनुचित व्यवहार किया था।

और कौन जाने यदि वे अपने सैनिक अफसर वाले कैरियर में ही सहज आगे बढ़ते जाते, तो अपने अहंकार में पता नहीं क्या करते होते! उन्होंने लिखा है कि आदमी पर घमंड उसी तरह सहज चढ़ता है जैसे सुअर पर चर्बी चढ़ती है। यानी अनायास। सो, सोवियत व्यवस्था की परिस्थितियों में, जहाँ विमानवीयकरण एक मूल तत्व था, कौन आगे चल कर क्या करता या न करता यह कहना असंभव है। अपनी गिरफ्तारी के बाद सोल्झेनित्सिन में जल्द ही निरंतर आत्म–निरीक्षण, पश्चाताप और आत्मसुधार की प्रवृत्ति बनती गई, जिस की झलक भी उन के लिखे विविध विवरणों में जहाँ–तहाँ मिलती है।

एक ऐसी निर्णायक घटना सोल्झेनित्सिन ने श्गुलागज्य में दर्ज की है। उन के साथ एक यहूदी कैदी था, बोरिस गम्मेरोव। एक बार यह खबर आई थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने कहीं पर प्रार्थना की। इस पर उपेक्षा से सोल्झेनित्सिन ने टिप्पणी की, अरे, यह तो बस पाखंड है। यह सुनकर भावना से काँपते हुए दुर्बल गम्मेरोव ने कहा, क्या कोई राजनेता सचमुच ईश्वर में विश्वास करने वाला नहीं हो सकता? तब सोल्झेनित्सिन को एक धक्का लगा, और उन्होंने महसूस किया कि उन्होंने विचार करके नहीं, बल्कि लापरवाही से ऐसी बात कही तो सोवियत शिक्षण और जीवन में अचेत रूप से स्वीकार कर ली थी। तब से उन्होंने विशेष ध्यान देना शुरू किया कि कौन सा निष्कर्ष विवेकपूर्ण है, और कौन सा बना–बनाया है।

इस विषय पर उन के इस ग्रंथ में एक अध्याय ही है। दूसरे खंड के चौथे भाग श्आत्मा और कँटीले तारश् का पहला अध्याय उत्थान है। जिस में वे दुर्भाग्य और कैद में अपने को अधिकाधिक गंभीर और सूक्ष्म चिंतन, मनन के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने इस पर ध्यान दिया कि ऐसे भयावह यंत्रणा शिविरों में भी कम ही कैदी आत्महत्या करते हैं। आखिर कुछ तो है जो उन के अंदर जीवित है, प्रेरित करता है। क्या मनुष्य में कोई ऐसी चीज भी है जो केवल जिन्दा रहने या खुशी खोजने से अलग है?

सोल्झेनित्सिन ने लिखा है, कठिन जीवन मनुष्य की दृष्टि साफ करता है, उसे विवेक देता है। पर यह विवेक है क्या? क्या किसी भी कीमत पर जीना ही सर्वोपरि चीज है, दूसरों की कीमत पर भी? इसी प्रश्न के मोड़ पर दो अलग–अलग रास्ते बनते हैं। एक रास्ता ऊपर जाएगा, दूसरा नीचे। एक में तुम अपना जीवन खोओगे, दूसरे में अपनी अंतरात्मा। इसी मोड़ पर लोगों की आत्मा विभाजित होती है। अधिकांश वह रास्ता लेते हैं जिस में जीवन बचता है। पर यातना शिविरों में भी सोल्झेनित्सिन को अनेक ऐसे कैदी मिले जिन्होंने अंतरात्मा की कीमत पर कोई सुविधा लेने से इन्कार किया। उन्होंने ऐसे कुछ पात्रों की सत्य कथा भी पूरे–पूरे विस्तार से दर्ज की है। जैसे अन्ना स्क्रिपनिकोवा।

जबकि सोवियत शिक्षा और नैतिकता ने लोगों को यह आम पाठ पढ़ाया था कि कम्युनिस्ट पार्टी का हित और आदेश ही नागरिकों के लिए सब से पहला नैतिक मानदंड है। जिस की अनिवार्य निष्पत्ति यह भी हो जाती थी, कि तब वैयक्तिक स्तर पर जिस में अपना हित है वही कार्य सही है। अर्थात कोई स्वतंत्र, हम सब से, पार्टी और देश से भी ऊपर, कोई नैतिक मूल्य नहीं है। ऐसे लोग कुछ भी अनुचित करने को तैयार हो सकते हैं जिन्होंने यह दयनीय मतवाद स्वीकार कर लिया है कि लोगों का जीवन बस सुख के लिए बना है।

जब श्गुलाग ज्य के प्रकाशन के बाद सोल्झेनित्सिन को सोवियत संघ से निष्कासित किया गया, तब उन के बयानों में सुखवाद को क्षुद्र बता कर कठोर आलोचना से पश्चिमी बुद्धिजीवी क्षुब्ध हो जाते थे। उन्हें आशा थी कि सोल्झेनित्सिन यूरोप और अमेरिका में लोगों के उन्मुक्त जीवन की तारीफ करेंगे। पर सोल्झेनित्सिन ने मानवता को एक मानकर दूसरे लोगों, देशों की स्थिति से बेपरवाह केवल अपने सुख और उन्नति की चिन्ता, और केवल राष्ट्रीय हित और राष्ट्रवाद को अनैतिक बताया। यह भी, कि ऐसा देश पूरी तरह आश्वस्त भी नहीं रह सकता जब तक दूसरे देशों में जुल्म, अत्याचार, और अमानवीयता हो। उन की दृष्टि में न्याय और विवेक को राष्ट्रीय सीमाओं में विभाजित नहीं किया जा सकता। वह अखंड है। इन बातों पर पश्चिम बुद्धिजीवियों ने सोल्झेनित्सिन को सनकी धार्मिक कहा था।

पर सोल्झेनित्सिन ने अपने दीर्घ, कठिन जीवन, और हजारों अन्य लोगों के जीवन के अवलोकन से पक्की तौर पर समझा था कि अच्छे और बुरे का भेद करने वाली रेखा हर मनुष्य की आत्मा से होकर गुजरती है। उसे राष्ट्रों, समाजों, दलों, मतवादों में कदापि निर्धारित नहीं किया जा सकता। अतरू किसी कार्य का परिणाम नहीं, बल्कि उसे कोई कैसे, किस भावना और मूल्य के लिए करता है दृ इस से उस कार्य का वास्तविक अर्थ तय होता है। तब आप अपनी दुर्बलता देख पाते हैं, और दूसरों की कमजोरियाँ भी। यानी, तब आप का चारित्रिक उत्थान होता है। आप की आत्मा जो पहले रूखी थी, अब कष्ट झेल कर परिपक्व होती है। आप अपने जीवन की परीक्षा करते हैं और पाते हैं कि आप ने कितने बुरे और लज्जाजनक काम किये थे।

सोल्झेनित्सिन याद करते हैं कि कई बार बुरे काम करते हुए वे आश्वस्त थे कि वे सही कर रहे हैं। अनेक बार जब वे अपने को बिलकुल निष्कलंक समझ? रहे थे, तो वस्तुतरू भूल पर थे। जब उन्होंने समझा था कि कोई ईश्वर नहीं है, तब ईश्वर उन के साथ था! जैसा सोल्झेनित्सिन ने कहीं लिखा है, हे जगदीश्वर! मैं पुनरू तुम पर विश्वास करता हूँ। मैंने तुम्हें खारिज किया, पर तुम मेरे साथ रहे।सोल्झेनित्सिन ने अंततरू पाया कि, जीवन का अर्थ भौतिक उन्नति में नहीं है, जो मानने के हम आदी हो गये हैं, बल्कि अपनी आत्मा के उत्थान में है। यह सत्य उन्होंने बिना भयंकर कष्ट उठाए नहीं पाया होता, इस के लिए उन्होंने जेल को अपने जीवन में आने के लिए धन्यवाद दिया।इसलिए यह कुछ विचित्र बात है कि सोवियत कम्युनिज्म के दौर में हजारों, लाखों लोगों के उत्पीड़न, अंतहीन यंत्रणाओं, जुल्म, और? वेदना के विवरणों से भरा यह ग्रंथ पढ़कर मायूसी और निराशा नहीं होती। उलटे किसी सहृदय पाठक के मन में अंततरू एक आशाजनक भाव ही उठता है। क्योंकि आद्योपांत पढ़ने पर श्गुलाग आर्किपेलागश् का संदेश यही है कि घरघोर बुराइयों के बीच भी कोई मनुष्य अच्छाई को पहचान और चुन सकता है। यह इस महान ग्रंथ की एक मूल्यवान विरासत है।

स्वामी के आदर्शों को जीवन में लाने की जरूरत

जौनपुर (आरएनएस)। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सन्दीप पाण्डेय के नेतृत्व में राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर एक भव्य आयोजन किया गया। जिसमें विशाल युवा चेतना शोभायात्रा निकाली गयी जो भण्डारी स्टेशन के निकट राज कालेज के मैदान से सुतहट्टी, सब्जी मण्डी, कोतवाली, चहारसू, शाही पुल, ओलन्दगंज, जेसीज चौराहा, रोडवेज तिराहा होते हुए बीआरपी कालेज के मैदान पर पहुंची। इस शोभायात्रा में नगर के प्रतिष्ठित लोग, शिक्षक बन्धु, छात्रों ने हजारों की संख्या में भाग लिया। मैदान में जयन्ती उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम भारत माता एवं स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्पार्पण एवं दीप प्रज्जवलन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य बिन्दु 2:15 बजे दिन में सामूहिक वन्दे मातरम का गायन किया गया। जिसमें परिसर में उपस्थित कई हजार लोगों तथा उसी समय संगठन के आह्वान पर पूरे जनपद और देशकृविदेश में लाखों लोगों ने वन्दे मातरम का गीत गाया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सन्दीप पाण्डेय ने कहा कि वन्दे मातरम का यह सामूहिक गान राष्ट्रभक्ति को जगाने का एक सार्थक प्रयास है। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह पूर्वी उत्तर प्रदेश वीरेन्द्र जायसवाल ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ने भारतीय संस्कृति को पूरे विश्व में स्थापित किया

और पूरे विश्व को विश्व बन्धुत्व की भावना से परिचित कराया। आधुनिक समय में हम उनके आदर्शों को कहीं न कहीं भूल चुके हैं इसलिए देश के युवाओं को उनके जीवन से सीखने की और प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने कहा कि संघर्ष ही व्यक्ति के जीवन में सफलता की प्रेरणा बनते हैं। कार्यक्रम में महिला संयोजिका ज्योति श्रीवास्तव के नेतृत्व में बच्चों के द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। विभाग प्रचारक अजीत जिला प्रचारक रजत रवि सिंह, डा. मनोज वत्स, ब्रह्मेश शुक्ल, डा. रामनारायण सिंह, पंकज सिंह, आनन्द देव वर्मा, नीरज श्रीवास्तव, आदि मौजूद रहे।

तीर रफ्तार करने दो को रौदा,मौत

आजमगढ़।(आरएनएस)जनपद के फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के शाहजेरपुर माहुल रोड पर कार की चपेट में आने से धान क्रय केंद्र पर कार्य कर रहे दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के समय दोनों मजदूर धान क्रय केंद्र से शाम साढ़े सात बजे शाम को घर जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस दोनों घायलों को सीएचसी लेकर आई, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कार को ड्राइवर के साथ हिरासत में ले लिया है। सूचना के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के ऊदपुर निवासी भीम (28) पुत्र स्व महाजन और इसी कोतवाली क्षेत्र के ऊंटवा गांव निवासी वेद प्रकाश यादव (60) पुत्र मुन्नार यादव दोनों फूलपुर के पास शाहजेर स्थित धान क्रय केंद्र पर मजदूरी करते थे। सोमवार शाम को दोनों साइकिल से अपने घर जा रहे थे।

जैसे ही वे माहुल रोड पर शाहजेरपुर गांव के पहुंचे थे कि इसी बीच माहुल की तरफ से आ रही अनियंत्रित कार ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद कर सड़क किनारे एक मकान की सीढ़ी में जा टकराई।इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में उन्हें इलाज के लिए सीएचसी भेजा गया। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक भीम के दो लड़का एक लड़की है, वहीं मृतक वेद प्रकाश के पास एक लड़का, तीन लड़की है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर रक्तदाताओं ने दिखाया जोर

मीरजापुर(आरएनएस)। स्वामी विवेकानंद जयंती राष्ट्रीय युवा दिवस के शुभ अवसर पर स्थानीय सिविल लाइन्स स्थित सिटी क्लब में रक्तदान कुंभ का आयोजन किया गया। ये आयोजन जेएमजे–एक अपील के तहत विंध्य फाउंडेशन ट्रस्ट और राबिन हुड आर्मी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत असिस्टेंट कमिश्नर (प्रशासन) डॉ विश्राम, जगद्गुरु श्रीराम भद्राचार्य दिव्यांग राजकीय विश्वविद्यालय,चित्रकूट के कुलपति डॉ शिशिर पांडेय संग साहित्यकार सलिल पांडेय ने माता विंध्यवासिनी और स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम के बीच बीच में मां विंध्यवासिनी स्वशासी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजीव सिंह, नगर पालिकाध्यक्ष अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी, अखिल भारत रचनात्मक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष विभूति कुमार मिश्र, प्रवी कसेरा सहित शहर के अन्य प्रतिष्ठित नागरिकों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजको एवं रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में आये असिस्टेंट कमिश्नर डॉ विश्राम ने कहा कि रक्तदाताओं के उत्साह को देखते हुए वो बहुत खुश है और चूंकि वो स्वयं कई बार रक्तदान कर चुके है इसलिए रक्तदान की महत्ता को समझते है।

➤ '41 लोगों ने कराया रजिस्ट्रेशन और जांच पश्चात 27 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

विशिष्ट अतिथि डॉ शिशिर पांडेय ने रक्तदाताओं को आशीर्वाद देते हुए बताया कि एक समय वो भी स्वयं रक्तदाता थे और साल में तीन बार रक्तदान करते थें। उन्होने भी रक्तदान के प्रति मिर्जापुर के युवाओं के उत्साह को देखते हुए खुशी जताई। विशिष्ट अतिथि एवं स्थानीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ संजीव सिंह ने आयोजको संग रक्तदाताओं को साधुवाद देते हुए अपनें तरफ से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया। नगर पालिकाध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी ने कार्यक्रम के अंत में उपस्थित होकर स्वामी विवेकानंद के गुणों को बताते हुए सभी आयोजको एवं रक्तदाताओं को साधुवाद दिया। कार्यक्रम में सलिल पांडेय, विभूति मिश्र एवं लल्लू तिवारी, प्रवी कसेरा ने भी संबोधित करते हुए रक्तदाताओं को साधुवाद दिया। रक्तदान करने वाले रक्तवीरों में अजय कुमार बिंद,मोहित कुमार,अमित गुप्ता, अभिनव बरनवाल, रितेश उमर, पवन पांडेय, विनीत शर्मा, अश्वनी कुमार विश्वकर्मा, अनिकेत दुबे, आकाश कुमार तिवारी, देवेश शुक्ला, सुदेश चौरसिया, हर्षित वर्मा, नीरज कुमार, हिमांशु कसेरा, प्रखर गुप्ता, सुमित केशवानी, बृजेश कुमार, हिमांशु चौरसिया, आयुष वर्मा,वैभव शुक्ला, संजय कुमार यादव, संजीव कुमार श्रीवास्तव सम्मिलित रहें।

संक्षेप

पत्रकार सुरक्षा कानून लाने के लिए जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मऊ। लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ इस देश के भीतर बेचारा बनकर रह गया

है। सच्ची खबरों के प्रकाशन का लगातार खामियाजा भुगत रहा है, पत्रकार समाज इस कदर भयाक्रांत है की उसकी कलम सिसक सिसक कर दम तोड रही है। सच लिखने पर दर्जनों पत्रकारों की हत्या हो चुकी है। अभी ताजा खबर छत्तीसगढ़ के पत्रकार की है जिसकी हत्या अपहरण कर कर दिया गया प्रशासन मौन है आखिर क्यों। इस देश का सबसे बड़ा पत्रकारो का संगठन राष्टीय पत्रकार संघ भारत आप से अनुरोध करता है कि पत्रकार हितों की सुरक्षा को देखते हुए पत्रकार सुरक्षा कानून अविलम्ब पूरे देश में लागू किया जाय ताकी लोकतंत्र की रक्षा हो सके। पत्रकारों के हित की सुरक्षा के लिए आज राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत मऊ कार्यकारिणी की टीम ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा है। जिसमें मुकेश चंद्राकर की हत्यारा को फांसी दिया जाए तथा उनके परिवार को 5 करोड़ तथा उनके परिवार में किसी एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिया जाए नहीं तो केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार इस पर ध्यान नहीं देगी तो आए दिन पत्रकारों का हत्या होता रहेगा इस ज्ञापन में मौजूद रहे लोग इस प्रकार हैं। जिलाध्यक्ष दीवान चंद गौतम, रामसूरत राजभर, कमलेश पाल, राधा कृष्ण, धर्मेंद्र कुमार, विजय जायसवाल, मनोज कुमार, अरविंद कुमार, कमलेश कुमार, अमन कुमार, अशोक पटवा, श्याम राजभर, अजय कुमार, कोमल प्रसाद, शिवलाल यादव, रजत अग्रवाल, जयंत प्रताप सिंह, वशिष्ठ कुमार राजभर, रविंद्र दास, संतोष यादव, चंदन कुमार, कमलेश कुमार सह, कैलाश चंद्र आदि पत्रकार मौजूद रहे।

बैल के हमले से महिला घायल

हलिया, मीरजापुर(आरएनएस)। हलिया थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव में रविवार को आवारा बैल के हमले से अधेड़ महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख–पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने महिला को बैल से बचाते हुए उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद पेट में गंभीर चोट को देखते हुए मण्डलीय चिकित्सालय रेफर कर दिया है।हलिया थाना क्षेत्र के सोनगढ़ा गांव निवासी स्वर्गीय इंद्रपती कुनेर की 60 वर्षीय पत्नी नवरंगा देवी खेत से घर की तरफ जा रही थी की आवारा बैल ने अधेड़ महिला के ऊपर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला की चीख पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बैल से अधेड़ महिला को बैल से बचाते हुए उपचार के लिए प्राथमिक उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जहां पर चिकित्सक ने महिला का प्राथमिक उपचार करने के बाद पेट में गंभीर चोट को देखते हुए मण्डलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है।

निरोधात्मक कार्यवाही में 11 गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना मंझनपुर से 01, थाना करारी से 02, थाना सराय अकिल से 03, थाना कोखराज से 02, थाना कड़ाधाम से 02, थाना मोहब्बतपुर पइंसा से 01) कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

250 अंटा चाईनीज मांझे संग गिरफ्तार.

जौनपुर (आरएनएस) । जनपद में चायनीज मांझा के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना खेतासराय पुलिस ने कस्बा खेतासराय में चायनीज मांझा बेच रहे पवन कुमार गुप्ता पुत्र पूरनलाल गुप्ता निवासी वार्ड नं0–09 गोला बाजार न0पं0 खेतासराय थाना खेतासराय को 250 अंटा नायलान के तांत के साथ पकड़ा गया माल को जब्त किया गया।

सिर पर सरिया से वार कर किया हत्या

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के बरसठी थाना अन्तर्गत गोपीपुर बनकट गांव निवासी काशीनाथ दुबे जो प्रतिदिन जरौना स्टेशन से ट्रेन से जौनपुर दीवानी, कचहरी जाते थे और कचहरी से जफराबाद के लिए ट्रेन पकड़ते हैं और जरौना रेलवे स्टेशन पर इंटरसिटी से शाम उतरकर सब्जी लेकर कर साइकिल से अपने घर गोपीपुर की तरफ चलते हैं कि रास्ते में सिरौली गांव प्राथमिक विद्यालय के पास आज्ञात व्यक्तियों द्वारा साइकिल रोककर हाथ तोड़ दिया गया और पीछे से सरिया से सर के पिछले हिस्से पर प्रहार किये जाने पर काशीनाथ दुबे वहीं गिर जाते हैं और उनकी मृत्यु हो जाती है । हत्यारे भाग जाते हैं पुलिस सूचना पर पहुंचती है और कहती है एक्सीडेंट हुआ है लाष गाड़ी में रखकर सीएससी बरसठी पहुंचते हैं सीएससी में मृत घोषित कराकर लाश को जौनपुर मर्सिडीज हाउस ले जाते हैं। इस घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश व्याप्त है और आने–जाने वाले राहगीरों की शाम को हत्या का भय सता रहा है । काशीनाथ एक क्षेत्र के चर्चित व्यक्ति थे ,क्षेत्र में लोग इस हत्या के पीछे दीवानी कचहरी का विवाद ही बता रहे हैं।

दूसरों के खाते से पैसा निकालने वाले बंदी

आजमगढ़। सिधारी सिधारी थाने की पुलिस ने बायोमेट्रिक की मदद से आधार नम्बर एवं अंगूठे का फर्जी क्लोन बनाकर दूसरों के खाते से पैसा निकालने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, रविवार को उपनिरीक्षक राजीव कुमार सिंह मय हमराह व उ0नि0 मो0 अबूशाद मय हमराह साइबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा मुखबिर की सूचना मिली की कुछ लोग जो बायोमेट्रिक की मदद से आधार नम्बर एवं अंगूठे का फर्जी क्लोन का प्रयोग करके दूसरों के खाते से पैसा निकाल लेते हैं, रेलवे क्रासिंग मूसेपुर के पास खडे हैं। मुखबिर की सूचना के आधार पर समय करीब 19.42 बजे अभियुक्त 1. संजय कुमार पुत्र बाबूलाल गौतम निवासी ग्राम नौबरार त्रिपुरारपुर खालसा, थाना महराजगंज, जनपद आजमगढ़ उम्र 20 वर्ष 2. अनुराग सिंह पुत्र विनोद सिंह निवासी.3911 संजय कालोनी, सेक्टर 23, गली नं०–39,निकट राजेन्द्र चौक, फरीदाबाद (हरियाणा) उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 03 अदद मोबाइल फोन, 01 अदद लैपटौप लेनोवो मय चार्जर, 05 अदद अंगुष्ठ चिन्ह क्लोन, 01 अदद यूएसबी बायोमैट्रिक मशीन,01 अदद टाइप सी बायोमैट्रिक मशीन (मोबाइल से कनेक्ट करने वाला), 23 अदद बन्द लिफाफा सिमकार्ड, 02 अदद सिमकार्ड खुला हुआ,तीन अदद कूटरचित आधार कार्ड व 16740ध्– रूपया नगद बरामद किया गया। जिसके आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 03ध्2025 धारा 319(2),318(4),336(2),338,336(3), 340(2)बी०एन०एस० पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का चालान माननीय न्यायालय किया गया।गिरफ्तार अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि हम लोग फर्जी आधार कार्ड के माध्यम से फर्जी सिम कार्ड प्राप्त कर सिम कार्ड के प्रयोग से आदि की आईडी बनाकर उससे आधार कार्ड से रूपया निकालने का काम करते है ।

बिना मानक पूरा किए सड़क पर वाहन न चलाएं

सुल्तानपुर(आरएनएस)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार एवं परिवहन आयुक्त के द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाए जाने के निर्देश दिए गए है। इसी क्रम में 12 जनवरी 2025 को नन्द कुमार, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी की अगुवाई में श्री तुलसीदास पी०जी० कालेज कादीपुर में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में यातयात सम्बन्धी विषय पर चर्चा की गई और अध्यापको, छात्रध्छात्राओं एवं अभिभावको को सड़क सुरक्षा पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई। उक्त कार्यक्रम के समापन के उपरान्त कादीपुर चौराहा समेत अन्य मार्गो पर विनय गौतम क्षेत्राधिकारी कादीपुर, राम निरंजन यातायात निरीक्षक के साथ संयुक्त टीम बनाकर लभभग 165 वाहनों के बिना हेल्मेट एवं बिना सीट बेल्ट लगाकर वाहन चलाने के अभियान में चालान की कार्यवाही की गई। इसी के साथ कादीपुर क्षेत्र के विभिन्न चौराहों पर सभी आम जनमानस को सड़क सुरक्षा दुर्घटना से बचाव के बारे में बताया गया तथा अपील किया गया कि सभी वाहन चालक हेल्मेट लगाकर, सीट बेल्ट पहनकर एवं अपने वाहनो में रिफ्लेक्टिब टेप लगाकर ही वाहन का संचालन करें जिससे दुर्घटनाओं से बचा जा सके। एआरटीओ प्रशासन नन्द कुमार ने बताया कि बिना मानक पूरा किए वाहन चालक सड़क पर न चले। हेल्मेट और सीट बेल्ट का सदैव प्रयोग करें जिससे सड़क पर हादसे से बचा जा सके और परिवार का माहौल खुशियां भरा रहे। हमेशा यह सोचकर सड़क पर वाहन चलाए कि परिवार वाले घर पर इंतजार कर रहे हैं। अगर सभी वाहन चालक सड़क सुरक्षा पर ध्यान दे तो दुर्घटनाओं में कमी अवश्य आएगी।

युवाओं को विवेकानंद से प्रेरणा लेनी चाहिए –अरविन्द

जौनपुर (आरएनएस)। जलालपुर विकास खण्ड के त्रिलोचन में एकल विद्यालय अभियान के तहत युवा चेतना दिवस के रूप में स्वामी विवेकानंद जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया। तथा पैदल यात्रा निकालकर लोगों को जागरुक किया गया। मुख्य अतिथि अरविन्द कुमार पटेल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने लोगों को जगाने के लिए कहा था कि उठो,जागो और तब तक मत रुको जब तक मंजिल प्राप्त न हो जाए'का संदेश देने वाले युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत,समाज सुधारक युवा युग– पुरुष 'स्वामी विवेकानंद' का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता (वर्तमान में कोलकाता) में हुआ था!उनका जन्म दिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाये जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन,सिद्धांत,अलौकिक विचार और उनके आदर्श हैं,जिनका उन्होंने स्वयं पालन किया और भारत के साथ–साथ अन्य देशों में भी उन्हें स्थापित किया। अर्चना गौतम, मनोज यादव, पार्वती देवी,अन्तिमा मौर्या, कामता प्रसाद, सतीश कुमार, प्रियंका सिंह,दाया सिंह, कल्पना यादव, अर्चना पाल, रेनू सिंह सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे। संचालन मिठाई लाल व अध्यक्षता मुखराम यादव ने किया।

ट्रेडिंग के विरोध में ज्ञापन दिया

जौनपुर(आरएनएस)। उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन के नेतृत्व में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सम्बोधित ऑनलाइन ट्रेडिंग के विरोध में एक ज्ञापन सांसद बाबू सिंह कुशवाहा को दिया गयां। ज्ञापन में ऑनलाइन व्यापार से संबंधित समस्याओं को बताते हुए अभिलंब इस पर ध्यान देने का निवेदन किया जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने बताया कि ई–कॉमर्स प्लेटफार्म पर विक्रेताओं का केवाईसी अनिवार्य किया जाए, , ई–कॉमर्स की बड़ी कंपनिया लगातार वित्तीय घाटे दिखा रही है, ई–कॉमर्स प्लेटफार्म को थोक विक्रेताओ के रूप में व्यापार नहीं करना चाहिए, 4– सरकार के सहयोग से संचालित एमएसएमई विक्रेता नुकसान की तरफ अग्रसर हो रहे हैं, 5– एमएसएमई विक्रेता अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते, कंपनी के डिलीवरी कर्मियों को कर्मचारी के रूप में माना जाए, उपरोक्त मुद्दे विशेष रूप से व्यापार एमएसएमई और उपभोक्ताओं को प्रभावित करते हैं जिन पर तत्काल ध्यान देने और विनीयमन अधिनियम बनाने की आवश्यकता है, यह विनियमन निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देंगे और एकाधिकार एवं अनैतिक प्रथाओं पर अंकुश लगाएंगे। प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी, महेंद्र सोनकर, युवा जिलाध्यक्ष संतोष अग्रहरि, जिला महामंत्री रामकुमार साहू, जिला कोषाध्यक्ष बनवारी लाल गुप्ता, आदि उपस्थित रहे।

लोक अदालत की सफलता हेतु अधिकारियों के साथ बैठक

प्रतापगढ़। जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद जी के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत 14 दिसंबर 2024 की सफलता हेतु जनपद के बैंक अधिकारियों के साथ बैठक का आयोजन अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बैंक अधिकारियों से राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु अधिक से अधिक मामलों को चिन्हित करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि बैंक ऋण एनपीए जो राष्ट्रीय लोक अदालत में सम्मिलित किए जा सकते हैं ऐसे मामलों का अधिक से अधिक चिन्हीकरण किया जाए ताकि लोगों को ऋण से छुटकारा मिले एवं बैंकों को एनपीए ऋण की धनराशि वापस दिलाई जा सके। बैठक में एलडीएम गोपाल शेखर झा समेत सभी बैंकों के अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी सेंटरों पर एक्सरे होगा मुफ्त

सुल्तानपुर। क्षयरोग खोजी अभियान में निजी संस्थानों ने भी हाथ बढ़ाया है, निजी संस्थानों के सहयोग से अभियान को गति मिलेगी, आईएमए के अध्यक्ष व समाजसेवा में अग्रणी पंक्ति में पहचान रखने वाले सुमन हांस्पिटल के मुखिया डां.ए.के. सिंह, मेडीसेवा के संस्थापक डां.डीएस मिश्रा व सेवादीप डायग्नोस्टिक सेंटर 60वर्ष से ऊपर के लोगों का एक्सरे मुफ्त करेंगे। इससे क्षयरोगियो की खोज व इलाज में आसानी होगी। जिले में क्षयरोगी खोज अभियान के लिए 100–डेज कार्यक्रम चलाया जा रहा है,जो मार्च 2025 तक चलाया जाएगा, 100दिन के अभियान में लक्ष्य हासिल तो होगा ही साथ ही जनपद में क्षयरोगियों की वास्तविक स्थिति की भी संपूर्ण जानकारी भी विभाग को मिलेगी। हालाकि 100–डेज कार्यक्रम को मुख्य चिकित्साधिकारी डां.ओम प्रकाश चौधरी के दिशानिर्देश में चल रहा है, जिसके प्रतिशत भी बढ़ने लगे है, सीएमओ डां.ओम प्रकाश चौधरी ने बताया कि भारत व राज्य सरकार के द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य विभाग गांव, शहर व कस्बे में पहुंचकर क्षयरोगी खोजी अभियान के तहत आम लोगो की जांच व ग्रसित मरीजों को चिन्हित करके उनका ईलाज प्रारंभ किया जाएगा,साथ ही हमारे अभियान में सुमन हांस्पिटल, मेडीसेवा व सेवादीप डायग्नोस्टिक सेंटर भी जुड़ गए है।

लैब भेजा गया डीएनए जांच के लिए मिले शव का अवशेष

बस्तीरू वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के ६ गौरहरा स्थित श्रीमती प्रयागराजी इंटर कालेज में गुरुवार की सुबह मिले जले शव के अवशेष की गुत्थी सुलझाने में पुलिस जुटी हुई है। स्कूल प्रबंधक व शिक्षामित्र जामवंत के कथित मौत का रहस्य गहराता जा रहा है। अभी तक एक भी क्लू ऐसा नहीं मिला है, जिससे यह साबित हो सके कि वह जिंदा है या मृत। घटना स्थल पर मिले जले शव के अवशेष का पोस्टर्माटम हो चुका है। रिपोर्ट में मृत्यु कब हुई थी उसका समय और मृत्यु की वजह स्पष्ट नहीं हो सका है। वाल्टरगंज पुलिस ने डीएनए जांच के लिए अवशेष का नमूना फोरेंसिक लैब गोरखपुर भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने उम्मीद जाहिर की है डीएनए रिपोर्ट मंगलवार या बुधवार को प्राप्त हो जाएगा। डीएनए रिपोर्ट से ही पता चलना है कि मिले शव का अवशेष आखिर किसका है। लगातार तीसरे दिन सीओ सिटी सत्येन्द्र भूषण तिवारी पुलिस टीम के साथ घटना स्थल व घटना से संबंधित संभावित स्थलों की छानबीन करते रहे। शिक्षामित्र जामवंत शर्मा के तैनाती वाले प्राथमिक विद्यालय परसासूरत गांव में तैनात प्रभारी प्रधानाध्यापक उमेश पाल, शिक्षामित्र योगमाया व वहीं पर तैनात दो रसोइयों समेत समूचे स्टाफ के बयान दर्ज किए गए। प्रधानाध्यापक ने बताया कि 30 दिसंबर को स्कूल में 15 दिनों के लिए शीत अवकाश हो रहा था। उसी दिन आखिरी बार शिक्षामित्र जामवंत शर्मा विद्यालय में आए थे। इस घटना में यह साफ होने लगा है कि बहुत ही ठंडे और शातिर दिमाग से इस घटना को अंजाम दिया गया है। पुलिस को कदम–कदम पर गुमराह करने की पाई गई है। प्रबंधक का घर पर जान बूझकर मोबाइल छोड़ कर कर जाना, एक ही कमरे में तीन अलग–अलग स्थानों पर जल रही आग, घटना स्थल पर स्कूल के कमरे की सुरक्षित मिली चाबी, शौचालय की दीवार पर लिखा हुआ मिलना कि आज मेरी हत्या हो सकती है उसके घर यह सब बाते किसी गहरी साजिश की ओर इशारा कर रही हैं। पुलिस उच्चाधिकारी उसके जिंदा होने की बात से इनकार भी नहीं कर रहे हैं। पत्नी महिमा की तहरीर के मुताबिक अज्ञात लोगों ने उनके पति की हत्या करके शव को स्कूल में जला दिया बताया जा रहा है।

तहरीर में लिखी यह बातें और मौका–ए–वारदात पर मिल रहे सबूत का आपस में मेल नहीं खाना पुलिस की जांच को उलझा कर रख दिया है। मौत को लेकर बना असमंजश लोगों में उत्सुकता पैदा कर रहा है कि आखिर जामवंत का रहस्य क्या है ।

25 जनवरी को यात्रा निकालेगी

बस्ती। रविवार को आजाद समाज पार्टी 'कांशीराम' का कार्यकर्ता सम्मेलन प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष अजय कुमार के संयोजन में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य डा. मोहम्मद आकिब ने कहा कि दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों को एकजुट करने के लिये पार्टी द्वारा 25 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चन्द्रशेखर आजाद के दिशा निर्देश में संविधान सम्मान यात्रा निकाली जायेगी।पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का आवाहन करते हुये डा. मोहम्मद आकिब ने कहा कि भाजपा लगातार संविधान को कमजोर कर रही है। महाकुंभ में मुसलमानों के प्रवेश, दूकान लगाने आदि पर रोक लगाया जाना संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध है। कहा कि जिस प्रकार से महाकुंभ में वीआईपी घाट बनवाये गये हैं उससे स्पष्ट है कि भाजपा ने आस्था के महाकुंभ को अपने राजनीतिक दल का आयोजन बना दिया है। यह स्थितियां दुर्भाग्यपूर्ण है।विशिष्ट अतिथि प्रदेश सचिव बृजेश यादव, मण्डल प्रभारी अर बाबुल हक ने कहा कि आजाद समाज पार्टी न केवल एक राजनैतिक पार्टी, बल्कि वंचित समाज में जन्में महापुरुषों के सामाजिक,परिवर्तन, आर्थिक मुक्ति और स्वाभिमान के सपनों को साकार करने का एक आन्दोलन है । कहा कि आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी मजबूती से उतरेगी। इसके लिये गांव–गांव जाकर संगठन को मजबूत किया जाय। अध्यक्षता करते हुये जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिये लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य रूप से सूरज मल्होत्रा, नासिर अली, मेराज अहमद, खुर्शीद आलम, रामानुज चौधरी, बृजेश सिंह पंकज, अमित डीसी, राजकुमार, विशाल कुमार गौतम, अनिल यादव, महेंद्र कुमार, मंजू, विनय चौधरी, विजय कुमार निषाद, विष्णु दत्त वर्मा, दिलीप कुमार, मुलायम सिंह, मनीष कुमार, जितेंद्र पटेल, सुभाष चंद्र, मोहम्मद इरफान, अनिल कनौजिया, दुर्गेश सम्राट, मेवालाल, रामचेत, बाल जी चौधरी, सोनू चौधरी, गणेश कुमार, सनी राव आदि उपस्थित रहे।

संगम के स्नान घाटों पर हर एक श्रद्धालु ने बिताए औसतन 45 मिनट, आरएफ रिस्ट बैंड से हुआ खुलासा

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं में से प्रत्येक ने स्नान घाट पर औसतन 45 मिनट बिताए। रेडियो फ्रिक्वेंसी रिस्ट बैंड के जरिये जुटाए गए डाटा से यह खुलासा हुआ। इसके अलावा आरएफ रिस्ट बैंड से जुटाए गए डाटा का उपयोग मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या की गिनती में भी काम आई। महाकुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की वास्तविक संख्या पता लगाने के लिए इस बार तीन तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इनमें से एक आरएफ रिस्ट बैंड डाटा एनालिसिस भी है। इसमें श्रद्धालुओं को अपनी कलाई में एक रिस्ट बैंड बांधने के लिए दिया गया। आरएफ आईडी चिप युक्त रिस्ट बैंड से एकत्रित किए गए डाटा से पता चला कि मेले में मकर संक्रांति व पौष पूर्णिमा पर आए श्रद्धालुओं में से प्रत्येक ने औसतन 45 मिनट का समय स्नान घाट पर बिताया। यह समय पहुंचने से लेकर स्नान के बाद घाट से वापसी में लगा। पुलिस अफसरों का कहना है कि घाट पर श्रद्धालुओं की ओर से औसतन बिताए गए समय का पता लगने से भीड़ प्रबंधन में मदद मिलेगी। इसी आधार पर मेले में श्रद्धालुओं के प्रवेश व निकास के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा। यह तय किया जा सकेगा कि कब सामान्य यातायात योजना से आवागमन कराया जाना है और कब आपातकालीन यातायात योजना लागू की जानी है। एसएसपी राजेश कुमार द्विवेदी ने बताया कि आरएफ रिस्ट बैंड डाटा एनालिसिस तकनीक से मिले परिणामों के जरिये भीड़ प्रबंधन में मदद मिलेगी। पौष पूर्णिमा और मकर संक्रांति पर्व के दौरान 200 से अधिक लोगों को भीड़ की धक्का-मुक्की में चोटें आई हैं। घायलों को मोच व हड्डी फ्रैक्चर होने की भी समस्या आई। इनमें से 19 मरीजों को सेक्टर-दो स्थित केंद्रीय अस्पताल में प्लास्टर चढ़ाया गया। इनमें छह से अधिक लोगों की चकर्ड प्लेट पर गिरने से कलाई में चोट आई। इसके अलावा सात लोगों का पैर फ्रैक्चर हुआ। वहीं, अन्य में कंधा खिसकना, कंधे की हड्डी, पसली, व कूल्हे का फ्रैक्चर होना शामिल है। अस्पताल के हड्डी रोग विभाग के सर्जन डॉ. विनय यादव ने बताया कि अधिकांश मरीजों को चोट भीड़ की धक्का-मुक्की होने की वजह से आई है। चार दिनों में रोडवेज की शटल बसों में तकरीबन पांच लाख यात्रियों ने मुफ्त यात्रा की। रविवार से शुरू हुई सेवा बुधवार रात 12 बजे तक जारी रही। इस अवधि में सर्वाधिक 2.50 लाख यात्रियों ने मकर संक्रांति पर सफर किया। यूपी रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि अब मौनी अमावस्या के एक दिन पहले शटल बसों में फ्री सफर की सौगात यात्रियों को मिलेगी। बृहस्पतिवार से इन बसों में सामान्य दिनों की तरह से यात्रियों को किराया देना होगा। सभी 200 ई बसें अपने निर्धारित रूटों पर संचालित होंगी। 1932 में प्रयागराज से लंदन के लिए विमान का संचालन हुआ था। इसके 93 वर्ष बाद बुधवार को प्रयागराज एयरपोर्ट से इंटरनेशनल फ्लाइट रवाना हुई। यह विमान अमेरिका की अरबपति महिला उद्यमी लॉरेन पॉवेल जॉब्स के लिए यहां पहुंचा। इस विमान ने भूटान के लिए उड़ान भरी। बताया जा रहा है कि जॉब्स अगले कुछ दिन भूटान में ही प्रवास करेंगी। महाकुंभ में इस बार कुछ देशों से प्रवासी भारतीय एवं विदेशी नागरिक विमान से सीधे प्रयागराज आ सकते हैं। इसी वजह से एयरपोर्ट पर पहली बार इमिग्रेशन विभाग के भी कर्मचारियों की तैनाती हुई है। नई टर्मिनल बिल्डिंग में ही इनकी तैनाती महाकुंभ मेला अवधि के लिए की गई है। इसी बीच रॉयल भूटान एयरलाइंस का विमान बुधवार सुबह जब लैंड हुआ तो तमाम कर्मचारी उसे देख अचंभित हो गए। इसके आने की खबर चुनिंदा लोगों को ही थी। बाद में मालूम पड़ा कि उक्त विमान से लॉरेन पॉवेल जॉब्स को रवाना होना है। कुछ ही देर में लॉरेन पॉवेल जॉब्स एयरपोर्ट पहुंचीं। वहां एयरपोर्ट निदेशक मुकेश उपाध्याय से उनकी मुलाकात हुई। इमिग्रेशन विभाग की औपचारिकता पूरी होने के बाद लॉरेन पॉवेल का विमान प्रयागराज से सीधे भूटान के लिए रवाना हो गया। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान प्रयागराज से इंटरनेशनल विमान संचालित हुआ करते थे। 1932 तक यहां से लंदन के लिए सीधी फ्लाइट थी। फिलहाल 93 वर्ष के अंतराल के बाद प्रयागराज एयरपोर्ट से बुधवार 15 जनवरी को इंटरनेशनल फ्लाइट संचालित हुई। हालांकि, इस विमान से सिर्फ लॉरेन पॉवेल जॉब्स और उनके कुछ सहयोगी ही रवाना हुए।

पुलिस ने रास्ता बंद किया तो सैकड़ों की छूटी ट्रेन, 13,499 आरक्षित टिकट हुए निरस्त

प्रयागराज। महाकुंभ के प्रथम अमृत स्नान के बाद वापसी करने वाले श्रद्धालुओं की राह बहुत मुश्किल रही। जगह-जगह पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं को रोक लिए जाने की वजह से कई लोग समय से स्टेशन नहीं पहुंच सके। इस वजह से सैकड़ों यात्रियों की ट्रेन छूट गई। प्रयागराज से 13,499 यात्रियों के आरक्षित टिकट निरस्त हुए। मंगलवार की रात प्रयागराज जंक्शन पर यात्रियों की भीड़ बढ़ जाने की वजह से हीवेट रोड चौराहा, जानसेनगंज चौराहा आदि स्थानों पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रास्ता रोक दिया। इस दौरान एनाउंसमेंट किया जाता रहा कि अभी जंक्शन की तरफ न जाएं क्योंकि वहां भीड़ काफी है। रोके गए श्रद्धालुओं में से बहुत से ऐसे लोग रहे जिनका प्रयागराज एक्सप्रेस, हमसफर, बीकानेर, देहरादून एक्सप्रेस आदि ट्रेनों में रिजर्वेशन था। तमाम यात्री अपने आरक्षित टिकट पुलिस कर्मियों को दिखाते रहे। यह भी कहा कि उन्हें जाने दिया जाए। नहीं तो उनकी ट्रेन छूट जाएगी, लेकिन पुलिस कर्मियों ने उनकी एक न सुनी। नतीजा यह रहा कि काफी लोगों की ट्रेन छूट गई। राजस्थान के सांगानेर से आए पीआर मीणा ने कहा कि वह संगम से पैदल चलकर आए थे। उन्हें सूबेदारगंज से ट्रेन पकड़नी थी। पुलिस को बताया भी लेकिन उन्हें घंटों रोके रखा गया और ट्रेन छूट गई। इसी तरह मोहननगर गाजियाबाद की मंजू शर्मा के साथ कुल चार लोग थे। उन्हें भी जंक्शन से हमसफर पकड़नी थी। मंजू ने टिकट भी दिखाई, लेकिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने कहा कि जब तक आदेश नहीं आ जाता तब तक रास्ता नहीं खोला जाएगा। इस आपाधापी में जंक्शन समेत शहर के स्टेशनों से चलने वाली तमाम ट्रेनों के 13,499 यात्रियों को अपने आरक्षित टिकट निरस्त करवाने पड़े। इसमें प्रतीक्षा सूची वाले भी टिकट रहे। इस दौरान रेलवे ने रिफंड के रूप में 1.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

अखाड़े के साथ मॉडल हर्षा के अमृत स्नान पर भड़के संत, भगवा वस्त्र पहनने पर शंकराचार्य नाराज

प्रयागराज। यूट्यूबर व मॉडल हर्षा रिछारिया के अखाड़े के साथ भगवा कपड़े पहनकर अमृत स्नान को लेकर महाकुंभ नगर में संतों में विवाद छिड़ा है। जहां एक ओर कुछ संतों ने इसे आपत्तिजनक करार देते हुए नाराजगी जताई है, दूसरी ओर निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि ने इसे खारिज करते हुए कहा कि बिना वजह से इसको तूल देने की कोशिश हो रही है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर व मॉडल हर्षा रिछारिया ने मकर संक्रांति पर अमृत स्नान के दौरान निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर कैलाशानंद के अनुयायियों के साथ भगवा कपड़ों में डुबकी लगाई थी। उनकी तस्वीरें और वीडियो कुछ देर में सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। उनके स्नान के बाद से संतों ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने इसे सनातन धर्म का अपमान बताया। कहा, इसमें शामिल धर्मगुरु व संतों को प्रायश्चित करना चाहिए। भगवा वस्त्र पहनकर इस तरह के लोगों को शामिल नहीं करना चाहिए। उन्होंने इसे मार्केटिंग इवेंट ठहराया। शांभवी पीठाधीश्वर स्वामी आनंद स्वरूप ने कहा जिस प्रकार एक महामंडलेश्वर ने अपने रथ पर मॉडल को बैठाकर अमृत स्नान के लिए लेकर, यह अच्छी बात नहीं। उनको साध्वी के तौर पर प्रचारित करना भी गलत है। अन्य साधु-संतों ने भी इस पर नाराजगी जताई। इसको बेवजह तूल दिया जा रहा है। उनको संन्यास व साध्वी की कोई पदवी नहीं दी गई है। उन्होंने सिर्फ गुरु दीक्षा ली है। जिस तरह हजारों अनुयायियों ने स्नान किया, उसी तरह उन्होंने भी स्नान किया। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। - आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद गिरि, निरंजनी अखाड़ा मैं कोई साध्वी नहीं हूं। साध्वी के लिए दीक्षा भी नहीं ली है। मैंने सिर्फ गुरु दीक्षा ली है। सनातन के काम को आगे बढ़ाना चाहती हूं। मुझे आध्यात्म की दुनिया अच्छी लगती है।

तीन किमी दंडवत परिक्रमा कर संगम स्नान करने पहुंचे दो भाई, संगम में डुबकी लगाकर पूरी की मनौती

प्रयागराज। सेक्टर-19 स्थित शंकराचार्य मार्ग पर बुधवार दोपहर धूल मिट्टी से सने दो भाई चकर्ड प्लेट पर दंडवत परिक्रमा करते हुए दिखे। इसी तरह दोनों परिक्रमा करते हुए करीब तीन किमी दूरी तय कर संगम घाट पर पहुंचे और स्नान कर मनौती को पूरी की। इनकी कठिन तपस्या को देखकर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी रास्ते में खड़े वाहन और ठेले को हटवाते हुए नजर आए। मुरैना, मध्य प्रदेश निवासी राजकुमार ने बताया कि मकर संक्रांति पर 11 लोगों के साथ संगम स्नान करने आए थे, लेकिन भीड़ अधिक होने से यह परिक्रमा नहीं हो पाई थी, इसलिए बड़े भाई रमेश के साथ दंडवत परिक्रमा कर रहे हैं। वह सेक्टर-17 में रुके हुए थे और वही से परिक्रमा करते हुए आ रहे हैं। दंडवत परिक्रमा की वजह उन्होंने महादेव की इच्छा और गंगा मइया की भक्ति बताया। वह कहते हैं, भवानी मां कृपा है, इसलिए दर्द का पता नहीं चल रहा है। दोनों भाई हाथ में एक छोटा सा पत्थर लिए थे। लेटने के बाद उसी पत्थर से रास्ते में निशान लगाते थे और फिर खड़े होकर वहीं से दोबारा लेटते हुए परिक्रमा कर रहे थे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई निविदा सूचना दिनांक 10.01.2025

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजिनीयर/कोचिंग, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती है -

GeM बिड संख्या : GEM/2025/B/5804977 Dated : 10.01.2025	
कार्य का नाम : तीन वर्षों (छत्तीस महीने) की अवधि के लिए, मुख्यालय/यांत्रिक विभाग/नियंत्रण के उपयोग के लिए 02 (दो) वाहनों (24x7) को किराए पर लेना, प्रति माह 2500 किमी के प्रावधान के साथ चौबीसों घंटे आपातकालीन सेवा के लिए दोनों एक्सल पर यांत्रिक रूप से सक्रिय अंतर लॉक वाला एक एम.यू.वी. और प्रति माह 2500 किमी के प्रावधान के साथ डबल क्रू कैब के साथ एक छोटा बेड पिक अप ट्रक।	
निविदा सिस्टम : दो पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रू में) : रु 10409252.00
EMD : रु. 202050.00	ई निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य
कार्य की अवधि : 03 वर्ष	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 10.01.2025
प्री बिड तिथि एवं समय : 22.01.2025 को 12:00 बजे	
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 07.02.2025 को 13:30 बजे	

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GeM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.GeM.gov.in पर बनी रहेगी, निविदा बंद होने की नियत तिथि तक। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएंगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइड के साथ पंजीकृत करना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइड पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदाबंद होने की तिथि एवं समयतक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति है। 80/25 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

हेलीकॉप्टर कंपनी के सीईओ समेत तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज, अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन का आरोप

प्रयागराज । पौष पूर्णिमा के दिन तय समय पर पुष्पवर्षा नहीं करने के मामले में प्रदेश सरकार की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई है। प्रकरण में हेलीकॉप्टर कंपनी के सीईओ समेत तीन अधिकारियों के खिलाफ अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मेला कोतवाली में यह एफआईआर नागरिक उड्डयन विभाग उत्तर प्रदेश ने लिखाई है।विभाग के प्रबंधक परिचालन केपी. रमेश की ओर से इस मामले में तहरीर दी गई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि महाकुंभ मेला के प्रत्येक शाही स्नान में विगत आयोजन की भांति पुष्पवर्षा कराए जाने के लिए मेसर्स हेरीटेज एविएशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी से 13 व 14 जनवरी 2025 के लिए शर्तों एवं प्रतिबन्धों के साथ हेलीकॉप्टर सेवा के लिए अनुबंध किया गया है। इसी के क्रम में कंपनी ने प्रयागराज में अपना एक हेलीकॉप्टर पोजीशन कराया। आरोप है कि निदेशालय को प्राप्त सूचना के अनुसार, कंपनी ने निदेशालय को बिना सूचना दिएध्अनुमति प्राप्त किए ही अपने हेलीकॉप्टर को किसी अन्य काम से अयोध्या भेज दिया। यह अनुबन्ध की शर्तों एवं प्रतिबन्धों का उल्लंघन है। फर्म द्वारा किए गए इस कृत्य से शासकीय कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हुआ जो किसी भी प्रकार से अक्षम्य है। मेला कोतवाली पुलिस ने इस मामले में कंपनी के सीईओ रोहित माथुर, प्रबंधक परिचालन परम और पायलट कैप्टन पुनीत खन्ना के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। फिलहाल इस मामले में पुलिस अधिकारी कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। सूत्रों का कहना है कि अनुबंधित कंपनी की ओर से हेलीकॉप्टर अयोध्या भेजे जाने के कारण पौष पूर्णिमा के दिन सुबह के समय पुष्पवर्षा नहीं कराई जा सकी थी। बाद में दूसरी कंपनी का हेलीकॉप्टर बुलाया गया और फिर शाम को पुष्पवर्षा कराई गई। इस मामले को शासन ने बेहद गंभीरता से लिया और कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। जिस पर मुकदमा दर्ज कराया गया।

भाजपा नेता को पुलिस ने थाने में बंद करके पीटा, आधी रात दो विधायक, महापौर, एमएलसी धरने पर बैठे

प्रयागराज। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश सह-कोषाध्यक्ष मनोज पासी ने झूंसी थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों पर उनकी थाने में बंदकर पिटाई करने का आरोप लगाया। मामला तूल पकड़ा तो भाजपाई आक्रोशित हो उठे। रात में महापौर, दो विधायक, एमएलसी और जिलाध्यक्ष समेत भारी पार्टी कार्यकर्ताओं ने झूंसी थाने का घेराव किया। डीसीपी अभिषेक भारती ने बताया कि घटना के बाद तथ्यों के आधार पर चमनगंज चौकी इंचार्ज संतोष कुमार सिंह, दरोगा शिवराम यादव, जग नारायण और मुख्य आरक्षी पारस यादव को

निलंबित कर दिया गया है। साथ ही इनके खिलाफ विभागीय जांच बिठा दी गई है। इसके अलावा झूसी थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के खिलाफ भी जांच के आदेश दिए गए हैं। सूचना पर एसीपी विमल किशोर मिश्र मौके पर पहुंचे तो सभी ने उनसे वार्ता से इन्कार कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। देर रात तक पुलिस अफसरों और भाजपाइयों में वार्ता चलती रही। कोई नतीजा नहीं निकल सका था। भाजपाई झूंसी थानेदार के निलंबन की मांग कर रहे थे। यमुनापार के पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने बताया कि बुधवार को प्रदेश सह कोषाध्यक्ष मनोज पासी के भाई की दीवार बनाने से रोकने झूंसी थाने की पुलिस गई थी। इस पर मनोज पासी व उनके भाई को गाली दी गई। कुछ देर बाद मनोज पासी झूंसी थाने में गालीगलौज को लेकर पूछने थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह के पास पहुंचे तो उन्होंने अन्य पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर उनकी लात-घूसों से पिटाई कर दी। पुलिस की पिटाई से वह बेहोश हो गए। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बाद में मनोज पासी ने एक वीडियो के जरिये आपबीती बताई। वीडियो में बताया गया कि उनके सिर के बाल नोचकर पिटाई की गई। वीडियो वायरल होने के साथ ही जानकारी भाजपाइयों को हुई तो खलबली मच गई। रात आठ बजे महापौर गणेश केसरवानी, फूलपुर विधायक दीपक पटेल, उत्तरी विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, गंगापार अध्यक्ष कविता पटेलए पूर्व एमएलसी निर्मला पासवान समेत सैकड़ों कार्यकर्ता झूंसी थाने पहुंच गए। एसीपी विमल किशोर मिश्र थाने पहुंचे तो महापौर और विधायकों ने उनसे बात करने से ही मना कर दिया। तब डीसीपी नगर अभिषेक भारती झूंसी थाने पहुंचे। भाजपाई झूंसी थानेदार उपेंद्र प्रताप सिंह समेत अन्य पुलिसकर्मियों के निलंबन की मांग कर रहे थे। भाजपा नेताओं को पीटे जाने का प्रकरण बृहस्पतिवार को यहां पहुंच रहे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के सामने उठेगा। पार्टी नेताओं ने इसकी तैयारी कर ली है। पहले प्रीतम नगर के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष, फिर भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज पासी की झूंसी थाने में हुई पिटाई के मामले ने तूल पकड़ लिया है। दोनों बार भाजपा नेता थानों का घेराव कर चुके हैं। पुलिस के इस रवैये से कार्यकर्ता नाराज हैं। डिप्टी सीएम दोपहर तीन बजे महाकुंभनगर के परेड ग्राउंड में संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचेंगे। शाम 4रू15 बजे पार्टी पदाधिकारियों से मिलेंगे। यहीं पुलिस की पिटाई का मामला उठेगा। पिछले माह भी धूमनगंज पुलिस ने पार्टी के मंडल अध्यक्ष को पीट दिया था। इसके बाद मेयर समेत कई पदाधिकारियों ने थाना घेरा था। इसके बाद दो पुलिसकर्मी निलंबित किए गए थे। मनोज पासी की पिटाई में देर रात को झूंसी थाने में दो दरोगा और दो सिपाहियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। इसके साथ ही डीसीपी नगर अभिषेक भारती ने मामले की जांच एसीपी विमल किशोर मिश्र को सौंपी है। एसीपी विमल किशोर मिश्र ने बताया कि मारपीट के मामले में आरोपी दो दरोगा और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया गया है। एसओ उपेंद्र प्रताप सिंह के मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या: 20/2025 दिनांक: 14.01.2025

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, उ0म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

निविदा संख्या: 19255125	निविदा खुलने की तिथि: 06.02.2025
विवरण: 13 व्यक्तियों की क्षमता (884 किलोग्राम) के लिए विद्युत चालित लिफ्ट (जी+1) की आपूर्ति निर्माण परीक्षण और कमीशनिंग। लिफ्ट कार का अंदर का आकार: आरडीएसओ विशिष्टता के अनुसार। वारंटी अवधि: उनकी डिलीवरी के बाद 30 महीने की अवधि या सेवा में कमीशन की तारीख से 24 महीने की अवधि, जो भी बाद में होगी।	
मात्रा: 18 नग	ई.एम.डी. रु.: 8,77,020/-

नोट: 1. उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 83/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

आईआईटी बांबे से की इंजीनियरिंग की पढ़ाई...दो लाख महीने की नौकरी ठुकराकर बने नागा संन्यासी

प्रयागराज। आईआईटी बांबे से एयरो स्पेस की पढ़ाई और दो लाख महीने की नौकरी ठुकराकर अभय सिंह नागा संन्यासी बन गए। उनके इंजीनियरिंग से नागा संन्यासी बनने की वजह से जूना अखाड़ा चर्चा का विषय बना हुआ है। महाकुंभ को कवर करने आए देश भर के मीडिया कर्मियों की उनके शिविर में तांता लगा हुआ है। वह बताते हैं कि जब वह अपने घर में ध्यान करते थे तो उनके परिवार के लोग उन्हें पागल बताकर पुलिस को सौंप दिया। उसके बाद से वह संन्यासी बनने का मन बना लिया। अभय सिंह मूलरूप से हरियाणा के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि वह बांबे आईआईटी से एयरो स्पेस से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। उन्हें जर्मनी में दो लाख महीने की नौकरी मिल रही थी, लेकिन महादेव के प्रति अपार प्रेम होने की वजह वह उस नौकरी को ठुकरा दिए। इसके अलावा वह प्रोडक्ट डिजाइन एनिमेशन का भी कोर्स किया। इतनी पढ़ाई करने के बाद भी उनका मन अध्यात्म की ओर ही भागता रहता था। घर में घंटों ध्यान करते थे और परिवार के लोगों को भी अध्यात्मिक बातें बताते थे। उन्होंने अपने परिवार वालों पर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके इस हरकत से घर वालों को बहुत चीढ़ हो रही थी क्यों कि उन्हें आस्था में भरोसा नहीं था। एक दिन वह घर में ध्यान कर रहे थे उसी दौरान उनके परिवार वाले पुलिस को फोन कर दिए और पागल बताकर उन्हें सौंप दिया। इसके बाद से उनका परिवार से मोह भंग हो गया और वह संन्यासी बनने का मन बना लिए। उन्होंने बताया कि वह 2000 किमी पैदल चलकर चारों धाम की यात्रा कर चुके हैं। वह अपने साथ एक डायरी रखते हैं, जिसमें वह पंच कोष के बारे में लिखा है। पहला आनंद कोष है जिसको समझाते हुए बताया कि आनंद कोष वह है जिसमें कोई बनावटी न हो, बिल्कुल जैसा का तैसा दिखाया या बताया जाय, दूसरा विज्ञान कोष, जिसमें हम अलग-अलग चीजों में फर्क को समझ पाते हैं। तीसरा मनोमय कोष, इस कोष में हम किसी चीज को देखकर याद कर लेते हैं। चौथा प्राणमय कोष, इसके अंतर्गत हमारी शारीरिक गति विधि आती है। अंतिम और पांचवा अन्न कोष, इस कोष में हम किसी चीज को खाकर उसके बारे में महसूस करते हैं। उधर, उनके गुरु महंत हीरापुरी महाराज ने बताया कि अभी अभय सिंह उनके पास संन्यासी नहीं बल्कि साधक के रूप में आए हैं। उन्हें भगवत जाप करने के लिए कहा गया है, अभी उनकी कई तरह की परीक्षा होगी। उसमें सफल होने पर ही उन्हें दीक्षा दिया जाएगा।

मौसम ने बिगाड़ा मजा, दो दिन में 38 ही ले सके आसमान से नजारा

प्रयागराज। मौसम ने महाकुंभ मेला क्षेत्र का आसमान से नजारा लेने का मजा बिगाड़ दिया है। दो दिनों में 38 लोग ही हेलिकॉप्टर जॉय राइड सेवा का लाभ ले पाए हैं। मौसम साफ नहीं होने से निर्धारित उड़ानें नहीं भरी जा सकी हैं, हालांकि कंपनी अफसर दावा कर रहे हैं कि मौसम साफ होते ही पर्याप्त उड़ानें भरी जाएंगी और लोग महाकुंभ के एरियल व्यू का लुत्फ लोग उठा सकेंगे। निजी कंपनी की ओर से 13 जनवरी से इसकी शुरुआत हो गई लेकिन खराब मौसम की वजह से लोग इसका आनंद नहीं उठा पाए हैं।एक दिन में 24 से 25 उड़ानें भरी जानी हैं, हालांकि अब तक 8-9 राइड ही हो सकी है। पहले दिन 18 और दूसरे दिन 20 लोगों ने इसका लाभ लिया। हेलिकॉप्टर जॉय राइड सेवा के लिए अरैल के डीपीएस के पास हेलीपैड बनाया गया है। मौसम अनुकूल होने पर सुबह 9रू30 से शाम 4रू30 बजे तक उड़ान भरने की योजना बनाई गई है। एक राइड के लिए सात मिनट निर्धारित है। एक बार में वजन के अनुसार चार-पांच यात्री हेलिकॉप्टर में सवार होते हैं। कंपनी के अफसर ने बताया कि फिलहाल ऑनलाइन ही बुकिंग की जा रही है। बुकिंग कंपनी की वेबसाइट पर जाकर कराई जा सकती है। इसका लिंक कंपनी के साथ ही उप्र स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की आधिकारिक वेबसाइट पर भी है।

अखाड़ा सेक्टर में साधुओं ने दो बिजली ठेकेदारों समेत आठ को पीटा, आधी रात अफसर पहुंचे मौके पर

प्रयागराज। अखाड़ा सेक्टर में बुधवार देर रात साधुओं ने बिजली विभाग के दो ठेकेदारों-मुंशियों समेत 15 से अधिक लोगों को पीट दिया। आरोप है कि पीटने के लिए लाठियां पुलिस कर्मियों से छीनी गईं। हंगामा होने पर आधी रात मेला अफसर भी पहुंचे। ठेकेदार ने झूंसी थाने में साधुओं के खिलाफ तहरीर दी है। बिजली विभाग के स्टोर में यह हंगामा बिजली चले जाने पर हुआ। ठेकेदार आशीष द्विवेदी का आरोप है कि काशी मंदिर सेवा अन्नक्षेत्र समिति के शिविर से सात-आठ साधु मोटरसाइकिल और कार से आए। मुंशी दिव्यांशु शुक्ल से बिजली जाने का कारण पूछा। दिव्यांशु के मुताबिक, साधुओं को बताया कि 18 हजार वोल्ट की लाइन ट्रिप कर गई है। जल्द ही बिजली आ जाएगी। लेकिन, एक साधु ने उन्हें धकिया दिया। बचाने आए मुंशी शुभम मिश्रा और रमन तिवारी को भी पीट दिया। खबर पाकर आए ठेकेदार आशीष, उनके भाई गुलाब द्विवेदी को भी दूसरे शिविरों से आए 25-30 साधुओं ने पीट दिया। पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इससे ठेकेदारों समेत आठ लोगों का सिर फट गया। ठेकेदार ने झूंसी थाने को तहरीर दी है। देररात एडिशनल एसपी मेला मनीष सोनकर, एडीएम कुंभ विवेक चतुर्वेदी, चीफ इंजीनियर (विद्युत) वीके सिंह, अधीक्षण अभियंता मनोज गुप्ता और एक्सईएन अनूप सिन्हा भी मौके पर पहुंचे। अधिशासी अभियंता अनूप सिन्हा का कहना है कि घटना की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को देंगे। प्रशासन इस पर उचित निर्णय लेगा। वहीं, ठेकेदार आशीष द्विवेदी का कहना है।